बीए शास्त्रीय संगीत (ध्रुपद) तृतीय वर्ष (प्रथम भाग) paper 1

इकाई 1

१)गांधर्वगान, निबद्ध और अनिबद्ध गान का सामान्य परिचय। अनिबद्ध के अंतर्गत रागालाप्ति एवं रूपकालाप्ति के भेद प्रभेदों का अध्ययन। मार्गी –देशी का प्रारंभिक परिचय। ग्राम, मूर्छना के लक्षण और भेदों का अध्ययन। भरत का श्रुति निदर्शन एवं शार्ङ्गदेव द्वारा उल्लेखित चतुसाराना का परिचय। वीणा के तारों पर अहोबल द्वारा शुद्ध, विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं श्री श्रीनिवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण। ग्राम राग, देशी राग का वर्गीकर, राग रागिनी पद्धति में ६ राग और ३६ रागिनिओं के परिचय। ठाट राग वर्गीकरण तथा राग़ां वर्गीकर, रागों का समय सिद्धांत। शुद्ध छायालग और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।पंडित व्यंकटमुखी के ७२ मेल, उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक से ३२ थाटों के निर्माण विधि एवं एक ठाट से ४८४ रागों की उत्पत्ति।

इकाई 2

ध्रुपद के घरानों/शैलिओं के इतिहास और उनके विख्यात गायकों और वादकों का परिचय एवं उनका योगदान। पखावज के मुख्य शैलिओं का इतिहास, मुख्य वादकों का परिचय ।ख्याल के मुख्य घराने - किराना, आगरा, ग्वालियर, अतरौली–जयपुर, इंदौर, पटियाला - तथा उनके मुख्य कलाकारों की सामान्य जानकारी । तबला के मुख्य घरानों की सामान्य जानकारी। ज़ाकिर उद्दीन खान, अल्लाबन्दे खान, नसीरुद्दीन खान, ज़िआउद्दीन खान, ज़िआ मुहीउद्दीन डागर, असद अली खान, विदुर मल्लिक, रामप्रसन्न एवं गोपेश्वर बंदोपाध्याय, महाराज आनंद किशोर सिंह, राजा छत्रपति सिंह ख्याल के जयपुर घराने के प्रवर्तक अल्लादिया खान, अमीर खान,अब्दुल करीम खान, फ़ैयाज़ खान, बड़े ग़ुलाम अली खान, कुदऊ सिंह, बिरेन्द्र किशोर रायचौधरी का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई 3

मानसिंह तोमर द्वारा लिखित मानकुतूहल (रागदर्पण) का सामान्य अध्ययन। कर्नाटक संगीत के राग और ताल पद्यति का सामान्य परिचय। कर्नाटक संगीत के मुख्य वाद्यों की जानकारी तथा गायन और वादन की विभिन्न शैलियाँ और गुरु शिष्य परम्परा।

इकाई 4

सौंदर्य शास्त्र का उद्गम, अभिव्यक्ति और परख, सौंदर्य शास्त्र के सिद्धांत एवं भारतीय संगीत से सम्बन्ध। रस सिद्धांत एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग।

इकाई 5

भारत के विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलिओं की सामान्य जानकारी। भारत के मुख्य लोक गायन शैलिओं की सामान्य जानकारी। लोक गायन को आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण से उत्पन्न चुनौतियाँ।

बीए शास्त्रीय संगीत (ध्रुपद) तृतीय वर्ष (द्वितीय भाग) paper 2

इकाई 1

१)निम्नलिखित रागों का परिचय १) जैजैवन्ती २) जौनपुरी ३) पूरिया ४) बहार ५) बसंत ६) रामकली ७) ललित ८) मारवा ९) गुणकली, १०) जोगिया एवं तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन के लिए पिछले पाठ्यक्रम के रागों की पुनरावृत्ति।

इकाई 2

वर्तमान और पिछले पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक चौताल की बंदिश/गत (गायन की बंदिशों में से कम से कम ५०% बंदिशे चार तुक की हो), वर्तमान और पिछले पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक धमार । वर्तमान और पिछले पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक झपताल की बंदिश/गत (गायन की बंदिशों में से कम से कम २५% बंदिशे चार तुक की हो), वर्तमान और पिछले पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक सूलताल की बंदिश/गत (गायन की बंदिशों में से कम से कम ५०%बंदिशे चार तुक की हो) राग

ड़ी, यमन, बिहाग, भीमपलासी, मुल्तानी में विस्तृत आलाप, विभिन्न तालों
देश और उपज।

इकाई 3

७)वर्तमान पाठ्यक्रम के किसी एक राग में एक विलम्बित ख्याल, एक मध्यलय और एक द्रुतलय ख्याल, एक तराना तानकारी के साथ (गायन के विद्यार्थिओं के लिए)

८)मसीतखानी और रज़ाखानी गत की सामान्य जानकारी और सितार, वीणा के मिज़राब के बोल (डा, रा, ड्रॉ, डिर) की जानकारी और गत को इन बोलों के साथ गाकर बताने की क्षमता।

९)वर्तमान पाठ्यक्रम के किसी एक राग में मसीतखानी और रज़ाखानी गत तानकारी के साथ (वादन के विद्यार्थिओं के लिए)

इकाई 4

१०)आड़ कुआड़ बिआड़ लयों की जानकारी। आदिताल, चौताल, ब्रहमताल, गणेषताल, रुद्रताल, झपताल, धमार, रूपक, तीव्र, सूलताल आदि तालों का परिचय एवं दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा छह गुन में लिखने का अभ्यास।

११)स्वरलिपि एवं उसकी उपयोगिता। भारत में प्रचलित स्वरलिपिओं ज्ञान। पश्चिमी स्टाफ नोटेशन पद्धति का सामान्य परिचय। पाठ्यक्रम के रागों के आरोह अवरोह व पकड़ का इस पद्धति में लेखन। हारमनी, पॉलीफोनी, मेलोडी, ग्रीक मोड के विषय में सामान्य जानकारी।

इकाई 5

११)लगभग ५०० शब्दों में संगीत सम्बन्धी किसी विषय पर निबंध लेखन।

(guideline for practical exam)

पाठ्यक्रम में उल्लेखित हर संगीत (गायन/वादन) के ध्वनि मुद्रण के नमूनों का श्रवण। ध्वनि मुद्रण को सुनकर शैली को पहचानने की क्षमता।

पाठ्यक्रम के २ रागों में विस्तृत आलाप तथा चौताल, धमार, सूलताल एवं तीव्रा ताल में बंदिश और पखावज संगत के साथ उपज।